जनता की राय

१.	हिन्दी में शपथ	-	जन. १९ अक्टूबर १९९९
२.	बच्चों को तो बख्शिए	-	जन. ३० अक्टूबर १९९९
३.	उठो जागो	-	जन. ११ दिसंबर १९९९
४.	नई सहस्त्राब्दी के पहले	-	जन. १७ दिसंबर १९९९
५.	हर जगह वही भूल	-	जन. ३० दिंसबर १९९९
६.	सुयोग्य प्रशासन	-	जन. ८ जनवरी २०००
७.	पचास साल बाद हिन्दी	-	जन. ३ फरवरी २०००
८.	पुलिस प्रपंच	-	जन. २५ मार्च २०००
९.	दिल्ली में युधिष्ठिर	-	जन. ६ अप्रैल २०००
१०.	भीड़ के आदमी का हक	-	जन. १४ अप्रैल २०००
११.	नमक का दरोगा	-	जन. ५ जून २०००
१२.	जनतंत्र की खोज में	-	जन. १७ जून २०००
१३.	अर्थव्यवस्था का नमक	-	जन. २ अक्टूबर २०००
१४	लालकिले पर कालिख	-	जन. १४ अक्टूबर २०००
१५.	इक्कीसवीं सदी की औरत	-	जन. १७ दिसंबर २०००
१६.	अपने अपने शैतान	-	जन. २ दिसंबर २०००
१७.	तबादलों का अर्थतंत्र	-	जन. ६ दिसंबर २०००
१८.	काननून अन्याय	-	जन. २६ दिसबंर २०००
१९.	राष्ट्रीय संकट में हम	-	जन. २ फरवरी २००१
२०.	गुजरात ने जो कहा	-	जन. ६ मार्च २००१
२१.	कलाकार की कदर	-	जन. ४ मई २००१
२२.	नीरस जीवन की भुक्तभोगी	-	जन. ६ मई २००१
२३.	गुजारा भत्ते की दावेदार कैसे बनें	-	रा.स. १८ फरवरी २००१
२४.	एड्स का खौफ	-	रा.स. २७ मई २००१
२५.	छोरी साइकिल चलावै छे	-	प्र.ख ३१ अक्टूबर २००२
२६.	बीजींग कान्फरंस, सीडॉ और भारतीय महिला नीति -(जालंधर में दिया गया भाषण)		
२७.	परीक्षा प्रणाली में आमूलाग्र सुधार हो	-	नभाटा १२ फरवरी १९९९
२८.	एक स्त्री का साहस	-	जन. ३ फरवरी २०००
२९.	एक श्रद्धांजली	-	प्र.ख जून १९९९
३०.	पढाई का बोझ	-	रा.स २२ जुलाई २००१
३१.	क्या हमारे खून में कश्मीर है	-	हिंदुस्तान २३ जुलाई २००२
३२.	लिंगभेद से जूझते हुए - तारा	-	सनद, अंक १०
३३.	शीतला माता	-	हिंदुस्तान २३ मार्च २००४
३४.	सत्ता तंत्र में कमाई : जनता क्या है तेरी की राय -हिंदुस्तान २३ मार्च २००४		